RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 315
दि. 19.03.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

राजनीति में कोई विराम नहीं होता; आपका अनुभव और योगदान राष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग बना रहेगा: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा के सेवानिवृत्त सदस्यों को संबोधित किया

समाज द्वारा दी गई जिम्मेदारियों के प्रति पूर्णतः समर्पित रहने के बारे में इन वरिष्ठ नेताओं से बहुत कुछ सीखने को मिलता है: प्रधानमंत्री

यहां की विरासत एक सतत प्रक्रिया है जो हमारी संसदीय प्रणाली को समृद्ध बनाती है: प्रधानमंत्री

संसदीय प्रणाली को द्वितीय मत की अवधारणा से असीम शक्ति प्राप्त होती है; यह द्वितीय मत हमारे लोकतंत्र में एक विशाल योगदान है जिसे हमें निश्चित ही संजो कर रखना चाहिए: प्रधानमंत्री

यहां व्यतीत छह वर्ष राष्ट्र के प्रति अपने योगदान को आकार देने और आत्म-विकास के लिए अमूल्य हैं: प्रधानमंत्री

सेवानिवृत्त सदस्यों का राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान निरंतर महसूस किया जाता रहेगा, चाहे वे औपचारिक प्रणाली के भीतर से या स्वतंत्र सामाजिक कार्य के माध्यम से सेवा कर रहे हों: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज राज्यसभा के सेवानिवृत्त सदस्यों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने सेवानिवृत्त साथियों को सम्मानित करने का अवसर मिलने पर हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अवसर सदन को दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक साझा भावना का संचार करने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि चाहे सदस्य वापस लौटें या व्यापक सामाजिक सेवा में लग जाएं, उनका संचित अनुभव राष्ट्र के लिए अमूल्य संपत्ति बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि राजनीति के गतिशील क्षेत्र में यात्रा कभी समाप्त नहीं होती, क्योंकि भविष्य में अनुभवी नेताओं के लिए हमेशा नए अवसर विद्यमान रहते हैं। श्री मोदी ने बल देकर कहा, 'राजनीति में कोई विराम नहीं होता; आपका अनुभव और योगदान राष्ट्र के जीवन का सदा हिस्सा रहेगा।'

प्रधानमंत्री ने निवर्तमान सांसदों के उत्कृष्ट योगदानों पर प्रकाश डालते हुए सुझाव दिया कि सांसदों की नई पीढ़ी को श्री देवगौड़ा, श्री खड़गे और श्री शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं को अपना आदर्श मानना चाहिए।

उन्होंने उपसभापति हरिवंश जी के मृदुभाषी स्वभाव और जटिल संकटों को संभालते हुए सदन का विश्वास बनाए रखने की क्षमता की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा कि ऐसी समर्पित सेवा समाज द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "समाज द्वारा दी गई जिम्मेदारियों के प्रति पूर्णतः समर्पित रहने के बारे में इन वरिष्ठ नेताओं से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सदन की बदलती परंपराओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि चौबीसों घंटे चलने वाले मीडिया के माहौल ने भले ही सबको अधिक जागरूक बना दिया हो, लेकिन हास्य और बुद्धिमत्ता की विरासत संसदीय जीवन का एक अभिन्न अंग बनी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक दो वर्ष में एक समूह के जाने से ज्ञान का निरंतर आदान-प्रदान होता रहता है, जिससे सदन की समृद्ध विरासत आने वाले सदस्यों द्वारा संरक्षित रहती है। श्री मोदी ने कहा कि यह संस्थागत निरंतरता एक महत्वपूर्ण लाभ है जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करती

है। प्रधानमंत्री ने कहा, "यहां की विरासत एक सतत प्रक्रिया है जो हमारी संसदीय प्रणाली को समृद्ध बनाती है।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राज्यसभा के अनूठे संस्थागत महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि संसदीय प्रणाली को "द्वितीय मत" की अवधारणा से असीम शक्ति प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों के बीच निर्णयों का आदान-प्रदान विधायी प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण नया आयाम जोड़ता है, जिससे देश के लिए अधिक परिष्कृत परिणाम सुनिश्चित होते हैं। उनके अनुसार, यह लोकतांत्रिक विरासत राष्ट्रीय निर्णय लेने में पारदर्शिता और पूर्णता की भावना को बढ़ावा देती है। श्री मोदी ने कहा, "यह द्वितीय मत हमारे लोकतंत्र में एक विशाल योगदान है जिसे हमें संजो कर रखना चाहिए।"

प्रधानमंत्री ने बताया कि सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों को यह विशिष्ट गौरव प्राप्त है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पुराने और नए दोनों संसद भवनों में सेवा की है। उन्होंने कहा कि नए सदन में ऐतिहासिक परिवर्तन का हिस्सा बनना उनके सार्वजनिक सेवा करियर में एक नया और महत्वपूर्ण स्मृति के रूप में रहेगा। श्री मोदी ने सदन को एक "महान खुला विश्वविद्यालय" बताया जो सदस्यों को राष्ट्रीय जीवन की जटिलताओं की अनूठी शिक्षा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा, "यहां व्यतीत छह वर्ष राष्ट्र के प्रति योगदान और आत्म-विकास के लिए अमूल्य हैं।"

अपने संबोधन के समापन में, श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि संसदीय अनुभव के वर्षों के दौरान सदस्यों की दूरदृष्टि और क्षमता में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान औपचारिक व्यवस्था के भीतर या स्वतंत्र सामाजिक कार्य के माध्यम से निरंतर महसूस किया जाता रहेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक बार फिर सेवानिवृत्त हो रहे प्रतिनिधियों की लंबी और समर्पित सेवा की सराहना करते हुए उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया।

योगी सरकार के नौ साल: सीएम बोले- हमने पीएम मोदी को 28 मार्च को जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेजा है

लखनऊ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर पुस्तक का विमोचन किया और इस दौरान प्रदेश की उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 28 मार्च को देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन होने वाला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बीते नौ साल में भाजपा सरकार होने का परिणाम यह है कि देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क यूपी के पास है। प्रदेश के सर्वाधिक सात शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली और मेरठ के बीच प्रारंभ हो चुकी है।

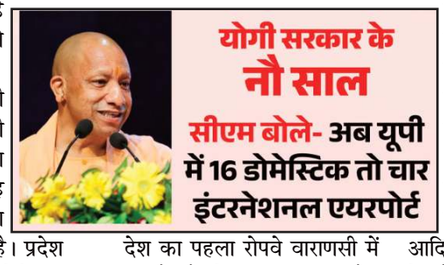

देश का पहला रोपवे वाराणसी में बन रहा है और देश का पहला इनलैंड वाटर वे वाराणसी से हल्दिया के बीच उत्तर प्रदेश में बना है। एयर कनेक्टिविटी के लिए उत्तर प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन हो रहा है। वहीं, हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 28 मार्च को देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेज दिया है। मतलब 2017 के पहले जिस प्रदेश की पहचान दंगों और खराब कानून व्यवस्था से होती थी उसकी पहचान आज विकास, सुशासन और इंफ्रास्ट्रक्चर से हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से बात की

पीएम ने ईद की शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात कर त्योहार की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रमों की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ने कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बातचीत की और आगामी ईद के त्योहार की शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान, श्री मोदी और युवराज ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की भारत की निंदा को दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक जुड़ाव को अनिवार्य माना। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए युवराज द्वारा दिए जा रहे निरंतर समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

"कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की और आगामी ईद के त्योहार पर बधाई दी।

हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की। हमने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय जुड़ाव पर हमलों की भारत की निंदा को दोहराया। होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक जुड़ाव अनिवार्य बना हुआ है।

मैंने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।"

प्रधानमंत्री ने दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पालम में दुखद अग्निकांड पर गहरा शोक व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। श्री मोदी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

'दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

उत्तर प्रदेश ने जल जीवन मिशन के दूसरे चरण के अंतर्गत सुधार से जुड़े समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

केंद्र और राज्य ने जवाबदेह, टिकाऊ ग्रामीण पेयजल सेवा वितरण के लिए साझेदारी को मजबूत किया

(जीएनएस)।

ग्रामीण पेयजल शासन में संरचनात्मक सुधारों को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के दूसरे चरण के अंतर्गत आज उत्तर प्रदेश के साथ एक सुधार से जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह मिशन के सुधार से जुड़े कार्यान्वयन ढांचे में राज्य का औपचारिक प्रवेश है। जल जीवन मिशन के दूसरे चरण को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 मार्च 2026 को मंजूरी दी थी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना और उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे।

समझौता ज्ञापन पर श्रीमती स्वाति मीणा नाइक, संयुक्त सचिव (जल), डीडीडब्ल्यूएस, जल शक्ति मंत्रालय, और श्री अनुराग श्रीवास्तव, अपर

मुख्य सचिव, नमामि गंगे और ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए और आदान-प्रदान किया गया।

पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के वरिष्ठ अधिकारी श्री अशोक के. के. मीणा, सचिव, डीडीडब्ल्यूएस, श्री कमल किशोर सोन, अपर सचिव और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) के मिशन निदेशक के साथ-साथ डीडीडब्ल्यूएस और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. राज शेखर और राज्य जल और स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर शामिल हुए।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में जल जीवन मिशन दूसरे चरण में संरचनात्मक सुधार के साथ सुनिश्चित सेवा वितरण, जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर इस सुधार का एक हिस्सा है और इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करना है। उत्तर प्रदेश के विशाल भौगोलिक क्षेत्र और बड़े लाभार्थी आधार को देखते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मिशन के अंतर्गत पर्याप्त वित्तीय संसाधन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। इस बात पर बल दिया कि सार्वभौमिक घरेलू नल से जल कवरेज प्राप्त करने के लिए इन निधियों का प्रभावी और समय पर उपयोग महत्वपूर्ण है। हाल के संसदीय विचार-विमर्श का उल्लेख करते हुए उन्होंने दोहराया कि केंद्र सरकार भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गुणवत्ता चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एसबीआई रिसर्च के अनुसार जल जीवन मिशन ने लगभग 9 करोड़ महिलाओं को पानी लाने के दैनिक कठिन परिश्रम से राहत दी है। इससे वे कृषि, आजीविका और उत्पादक गतिविधियों के लिए अधिक समय दे रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच में महिलाओं के लिए हर दिन लगभग साढ़े 5 करोड़ घंटे बचाने और डायरिया रोगों के कारण सालाना लगभग 4 लाख मौतों को रोकने की क्षमता है।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू ने एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 में मुख्य भाषण दिया

दायित्वपूर्ण और विश्वसनीय विज्ञापन प्रणाली का आह्वान किया

सूचना और प्रसारण सचिव ने प्रामाणिकता बनाए रखकर और भ्रामक प्रचारों से बचकर दर्शकों के भरोसे की रक्षा करने का आग्रह किया

विज्ञापन में जागरूकता और अनुपालन को प्रोत्साहन देने के लिए एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 में विज्ञापन कानून संकलन का शुभारंभ किया गया

(जीएनएस)।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू ने आज मुंबई में आयोजित एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 में मुख्य भाषण दिया। श्री जाजू ने कहा, 'विज्ञापन का उद्देश्य केवल पहुंच बढ़ाना नहीं, बल्कि विश्वास पैदा करना होना चाहिए।' सूचना और प्रसारण सचिव ने भारत में एक दायित्वपूर्ण, पारदर्शी और विश्वसनीय विज्ञापन प्रणाली की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से तब जब यह क्षेत्र आकार, जटिलता और प्रभाव में लगातार बढ़ रहा है। श्री जाजू ने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र का विकास जारी रहना चाहिए, लेकिन उत्तरदायित्व भी होना चाहिए, विशेषरूप से डिजिटल क्षेत्र में।

उन्होंने कहा कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय का दृष्टिकोण विश्वास निर्माण, विकास को समर्थन देने और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) द्वारा आयोजित एडट्रस्ट शिखर सम्मेलन 2026 के पहले संस्करण में विज्ञापन, मीडिया, प्रौद्योगिकी और सरकारी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने जिम्मेदार विज्ञापन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए भाग लिया। चचाओं में उभरते रुझानों, कानूनी ढांचों और विज्ञापन प्रथाओं पर नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया।

श्री जाजू ने शिखर सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि विज्ञापन केवल एक व्यावसायिक गतिविधि से कहीं अधिक है। यह बाजारों को आकार देता है, ब्रांड बनाता है, उपभोक्ताओं को जानकारी देता है, संस्कृति का संकेत देता है और आकांक्षाओं को प्रभावित करता है। भारत जैसे विशाल और तेजी से डिजिटलीकरण हो रहे देश में, विज्ञापन नवाचार, आर्थिक गतिविधि, सामग्री निर्माण और समावेशन का एक महत्वपूर्ण चालक बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब ब्रांड, स्टार्टअप्स, स्थानीय व्यवसायों और रचनाकारों को व्यापक स्तर पर दर्शकों तक पहुंचने में सक्षम बनाते हैं, जिससे प्रवेश बाधाएं कम होती हैं और भागीदारी बढ़ती है।

नागपुर में 'ऑपरेशनल फ्रेमवर्क फॉर वन हेल्थ : नेशनल विजन एंड स्टेट एक्शन' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

'वन हेल्थ केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और भविष्य में महामारी की तैयारी की नींव है': प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद

'नेशनल वन हेल्थ मिशन, जूनोटिक खतरों से निपटने और चिकित्सा निवारण उपायों को सुदृढ़ करने में सरकार के दृष्टिकोण का उत्कृष्ट उदाहरण': डीएचआर सचिव एवं डीजी आईसीएमआर डॉ. राजीव बहल

प्रविष्टि तिथिः 18 टअफ 2026 5:20दट८ ढक्ह ऊॅ

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के अंतर्गत नागपुर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वन हेल्थ (एनआईओएच) ने आईसीएमआर-आरएमआरसी, भुवनेश्वर के सहयोग से 'ऑपरेशनल फ्रेमवर्क फॉर वन हेल्थ : नेशनल विजन एंड स्टेट एक्शन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन (एनओएचएम) के दृष्टिकोण के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर विचारों को वास्तविकता में बदलना था, ताकि राज्य और स्थानीय स्तर पर समन्वित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने मुख्य भाषण दिया। सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने

इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से विशेष संबोधन दिया। पशुपालन आयुक्त, डीएएचडी, नई दिल्ली की डॉ. नवीन बी. महेश्वरप्पा ने भी वर्चुअली सभा को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. नितिन पाटिल, कुलपति, एमएएफएसयू नागपुर (मुख्य अतिथि), डॉ. प्रशांत पी. जोशी, कार्यकारी निदेशक, एम्स नागपुर (विशिष्ट अतिथि), डॉ. रंजन दास, निदेशक, एनसीडीसी, नई दिल्ली (विशिष्ट अतिथि), डॉ. दीपक म्हैसकर (आईएएस), अध्यक्ष, एसईआईएए, महाराष्ट्र, डॉ. सतीश राजू, क्षेत्रीय संयुक्त आयुक्त, पशुपालन एवं डेयरी, नागपुर तथा डॉ. प्रज्ञा यादव, प्रभारी निदेशक, एनआईओएच, नागपुर शामिल थे।

प्रो. अजय सूद ने वर्चुअल माध्यम से अपना मुख्य भाषण देते हुए एकीकृत निगरानी की तात्कालिक आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वन हेल्थ केवल एक अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और भविष्य के लिए महामारी की तैयारी की नींव है।

सम्पादकीय

नेतन्याहू के पीछे ईरान की आईआरजीसी

नेतन्याहू है तो ढूंढ़कर मारेंगे ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा है कि अगर इजरायली प्राधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जिदा है तो वो उनका पीछा करके उन्हें मार डालेंगे। आईआरजीसी ने नेतन्याहू को बच्चों का हत्यारा बताया है। ईंरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने एक स्पेशल पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। वहीं दक्षिण अप्रीका में ईंरानी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है— इससे बिल्वुल भी फर्क नहीं पड़ता कि नेतन्याहू जिदा है या मर चुके हैं। एक मिनाबी लड़की का बाल का एक भी रेशा, उनके पूरे वजूद से कहीं ज्यादा कीमती है। इस मामले में सवाल यह भी उठता है कि अगर नेतन्याहू जिदा है तो ऐसा आईआरजीसी ने क्यों कहा है और यह दावा या अफवाह कहां से शुरू हुई है कि बेंजामिन नेतन्याहू जिदा है या नहीं। हालांकि कई खबरों के मुताबिक, इजरायली प्राधानमंत्री कार्यालय ने नेतन्याहू की बात को फेक न्यूज बताया है। वहीं रविवार शाम को नेतन्याहू ने एक्स पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वो कॉफी पीते हुए वैपे के बाहर वुछ महिलाओं से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान वो एक-एक कर दोनों हाथों को वैमरे के सामने ला रहे हैं और अपनी पांचों उंगलियां गिना रहे हैं। इजरायल और ईंरान के बीच जंग की शुरूआत में ही ईंरानी अधिकारियों ने बताया था कि दक्षिण ईंरान के शहर मिनाब में लड़कियों के एक स्वूल पर हमला हुआ, जिसमें 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें 160 के लगभग छोटी-छोटी बच्चियां और उनके टीचर भी मारे गए थे। बता दें कि ईंरान के मिनाब में प्राथमिक स्वूल पर भीषण एयरस्ट्राइक को लेकर अमेरिका के भीतर भी विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। अमेरिका के 40 से अधिक सीनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर इस हमले का कड़ा विरोध जताया है। सांसदों ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से इस सैन्य कार्रवाई की जांच, जवाबदेही और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन पर स्पष्टीकरण मांगा है। सीनेटरों ने अपने पत्र में विशेष रूप से चिता जताई है कि मरने वालों में ज्यादातर 7 से 13 साल की मासूम बच्चियां थीं। घटना 28 फरवरी की है, जब अमेरिका ने बहरीन सैन्य बेस से एक टोमाहॉक मिसाइल से मिनाब स्थित लड़कियों के एक स्वूल को निशाना बनाया। ईंरान में इस हमले से लोगों में काफी ज्यादा आव्रोश देखा गया और इन लड़कियों के जनाजे में लाखों ईंरानी जनता शामिल हुई। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा जियोनिस्ट अपराधी प्राधानमंत्री का अज्ञात और उनकी मौत या कब्जे वाले इलाकों से अपने परिवार के साथ उनके भाग निकलने की पूरी संभावना है। यह एक संकट और जियोनिस्ट की डगमगाती स्थिति को उजागर करती है। आईआरजीसी ने आगे कहा, अगर बच्चों की हत्या करने वाला अपराधी जीवित है तो हम पूरी ताकत से पीछा करके उन्हें मार डालेंगे। यह धमकी इजरायली प्राधानमंत्री कार्यालय के उस खंडन के बाद आई है जिसमें नेतन्याहू के मारे जाने की खबरों को गलत बताया गया है। साथ ही उसने यह दावा किया था कि इजरायल ने उनके तथ्यों और क्षेत्र में तीन अमेरिकी बेस को 52वीं बार किए गए हमले में नष्ट कर दिया गया है। 13 मार्च को नेतन्याहू के एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गया था जिसमें वो ईंरान के हमलों के बारे में जानकारी दे रहे थे। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इसे एआई जेनरटिड बताया था और दावा किया था कि नेतन्याहू की मौत हो चुकी है। अब देखना यह है कि क्या नेतन्याहू जिदा है और अगर वह जिदा है तो क्या ईंरानी आईआरजीसी उनकी हत्या करने में कामयाब होती है या नहीं?

कृषि विकास और किसान कल्याण पर लोकसभा में बोले केंद्रीय कृषि मंत्री- अधूरी सिंचाई योजनाएं और नदी जोड़ो प्रोजेक्ट हमारी सरकार में पटरी पर

प्राकृतिक खेती से धरती माँ की सेहत, किसान की आमदनी - दोनों सुरक्षित- श्री शिवराज सिंह चौहान

राज्यवार कृषि रोडमैप और टरढ-सिंचाई-इन्फ्रा से विकसित भारत की नींव- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

आज लोकसभा में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय पर हुई विस्तृत चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी की सरकार सिर्फ शासन नहीं चलाती, समाज बदलती है, जीवन बदलती है और राष्ट्र का भविष्य गढ़ती है। किसानों के हितों, कृषि सुधारों, आधुनिक तकनीक, सिंचाई, बीमा, प्राकृतिक खेती और डिजिटल एग्रीकल्चर की चर्चा करते हुए उन्होंने विपक्ष के प्रश्नों के जवाब दिए।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के नाम पर सिर्फ सियासी नारे और अर्द्धसत्यों से काम नहीं चलेगा। खेत-खलिहान की हकीकत पर बात करनी होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि सवाल ये होना चाहिए कि किसान के लिए जमीन पर क्या काम हुआ, कितना पैसा सीधे उसके खाते में पहुँचा और कौन सी व्यवस्था बदली।

टरढ, सिंचाई और नदी जोड़ो: अधूरी विरासत को आगे बढ़ाने का दावा

श्री चौहान ने याद दिलाया कि पिछली सरकार के समय 140 सिंचाई परियोजनाओं में से 99 परियोजनाएं दशकों से लटकी पड़ी थीं, जिन पर कोई काम आगे नहीं बढ़ रहा था। मोदी सरकार ने इन्हें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत प्राथमिकता दी और लगभग 27 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचित क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से काम बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का 'नदी जोड़ो' (रिवर लिंकिंग) ड्रीम प्रोजेक्ट भी वास्तव में मोदी सरकार के दौरान आगे बढ़ा, जहाँ कैन-बेतवा जैसी परियोजनाएं मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को जोड़ते हुए बाढ़-सूखे की समस्या का दीर्घकालिक समाधान देने के लिए शुरू की गई।

गुणवत्तापूर्ण बीज- कीटनाशक: किसान के साथ छल नहीं होने देंगे

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सिर्फ ₹500 या ₹1000 की घोषणा से किसानों का भला नहीं होगा, असली सवाल है कि बीज, खाद और कीटनाशक की गुणवत्ता क्या है। उन्होंने घोषणा की कि सरकार नया ढी२३ूाँ अू३ और रीाँ अू३ लाने जा रही है जिसमें किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, मानक खाद, और सुरक्षित व प्रभावी कीटनाशक सुनिश्चित किए जाएंगे। श्री चौहान ने बताया कि सरकार ने स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया है कि कोई भी बायो-स्टिम्यूलेंट तभी बाजार में बिकेगा जब कम से कम कउअफ के संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों में तीन स्वतंत्र परीक्षण यह प्रमाणित कर दे कि उसका लाभ है। उन्होंने कहा कि 'लगभग 8000 उत्पादों में से केवल लगभग 500 ही मानकों पर खरे उतरे हैं, बाकी को अनुमति नहीं दी गई,'

सौर सम्मान अवॉर्ड्स ने रूफटॉप सोलर अपनाने को गति देने वाले इंस्टॉलर्स और सोलर एंटरप्रेन्योर्स का सम्मान किया

लखनऊ, 18 मार्च 2026: इकोजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने सौर सम्मान अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन किया, जिसमें उन इंस्टॉलर्स, ईपीसी पार्टनर्स और सोलर एंटरप्रेन्योर्स को सम्मानित किया गया, जो पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत देशभर में रूफटॉप सोलर अपनाने को तेजी दे रहे हैं।

इन अवॉर्ड्स का उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम कर रहे उन प्रोफेशनल्स और ऑर्गेनाइजेशंस को सम्मानित करना है, जो घरों और छोटे व्यवसायों तक सोलर एक्सेस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विश्वसनीय रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के माध्यम से ये पार्टनर्स उपभोक्ताओं को बिजली खर्च कम करने में मदद कर रहे हैं और साथ ही भारत के क्लीन और सस्टेनेबल एनर्जी ट्रांज़िशन को मजबूत बना रहे हैं।

इस सेरेमनी में इंस्टॉलर्स, सोलर एंटरप्रेन्योर्स, इकोसिस्टम पार्टनर्स और इंडस्ट्री स्टेकहोल्डर्स शामिल हुए, जिन्होंने रूफटॉप सोलर अपनाने में नेतृत्व दिखाने वाले व्यक्तियों और ऑर्गेनाइजेशंस का सम्मान किया।

इस कार्यक्रम में रिन्यूएबल एनर्जी इकोसिस्टम के कई प्रतिष्ठित लीडर्स उपस्थित रहे, जिनमें मीर मोहम्मद अली, डायरेक्टर, एमएनआरई; इंदरजीत सिंह, डायरेक्टर, यूपीनेडा; पंकज सिंह, सेक्रेटरी, यूपीनेडा; राजीव ग्यानी, पूर्व सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, क्रेडा; प्रवीन बी कुमार, रीजनल रिप्रेजेंटेटिव (साउथ एशिया), गोग्ला; वेदांत मानोरे, सीओओ, क्लीन; डॉ. रत्नेश तिवारी, फाउंडर एवं डायरेक्टर, कोशिश सस्टेनेबल सॉल्यूशंस; अजीत बहादुर सिंह, फाउंडर, सोलर इज माय पैशन; अनीता यादव, एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, ग्रामीण फाउंडेशन; श्याम धर दुबे, स्टेट कोऑर्डिनेटर, आरएमआई प्रोग्राम, यूपीनेडा; नीरज बाजपेयी, प्रेसिडेंट, रेडा; मुकेश त्यागी, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, मध्यांचल डिस्कॉम और मैल्कम नोरोनहा, जीएम,

सोलर इज माय पैशन शामिल थे।

कार्यक्रम के दौरान विवेक पांडे, को-फाउंडर एवं सीटीओ, इकोजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने कहा:

"जब हम भारत की सोलर क्रांति की बात करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान पॉलिसीज या टेक्नोलॉजी पर जाता है। लेकिन इस बदलाव के असली हीरो वे इंस्टॉलर्स और सोलर एंटरप्रेन्योर्स हैं, जो जमीन पर चुपचाप काम कर रहे हैं, अक्सर बिना किसी पहचान के। यही लोग छतों पर चढ़कर इंस्टॉलेशन करते हैं, ग्राहकों को जागरूक करते हैं और क्लीन एनर्जी को घर-घर तक पहुंचाते हैं। सौर सम्मान अवॉर्ड्स के माध्यम से इकोजेन इन अनसुने चैंपियंस को स्पॉटलाइट में लाना चाहता है।"

इन अवॉर्ड्स का मूल्यांकन एक इंडिपेंडेंट ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया, जिसमें श्री उपकारी नाथ, सोलर एनर्जी एडवाइजर - आरएमआई इंडिया प्रोग्राम, यूपीनेडा, श्री राजीव ग्यानी - पूर्व अधीक्षण अभियंता, क्रेडा और डॉ. रत्नेश तिवारी, फाउंडर एवं डायरेक्टर - कोशिश सस्टेनेबल सॉल्यूशंस शामिल थे।

अवार्ड विनर्स

रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन, सेफ्टी स्टैंडर्ड्स और स्किल डेवलपमेंट में उत्कृष्टता को पहचान देने के लिए विभिन्न कैटेगरीज में अवॉर्ड्स प्रदान किए गए:

बेस्ट इंस्टॉलेशन अवॉर्ड (3-5 किलोवाट)

सचिन श्रीवास्तव, अकुपाड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड

ललित मोहन रावत, सोलरमेट रिन्यूएबल सॉल्यूशंस

विपिन कश्यप, थिंकएक्ट एनर्जी सॉल्यूशंस

इंस्टॉलर सेफ्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड

शुभम गुप्ता

द्रोणाचार्य अवॉर्ड - स्किलिंग द 'मन रिसोर्स

बृजेश कुमार यादव, इको वोल्ट सोलर सॉल्यूशंस

बढ़ती बिजली मांग, कंज्यूमर अवेयरनेस में वृद्धि और सपोर्टिव गवर्नमेंट इनिशिएटिव्स के चलते आने वाले वर्षों में रूफटॉप सोलर अपनाने की गति और तेज होने की उम्मीद है। पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना जैसी पहलें देशभर में लाखों घरों तक सोलर एक्सेस बढ़ाने का लक्ष्य रखती हैं, जिससे कंज्यूमर्स क्लीन एनर्जी उत्पन्न कर सकें और बिजली खर्च कम कर सकें।

सौर सम्मान अवॉर्ड्स जैसे इनिशिएटिव्स के माध्यम से इकोजेन उन प्रोफेशनल्स और एंटरप्रेन्योर्स का सम्मान करता है, जो इस बदलाव को आगे बढ़ा रहे हैं और भारत के लिए एक मजबूत और सस्टेनेबल सोलर इकोसिस्टम बनाने में योगदान दे रहे हैं।

पुरुषों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ ने लॉन्च किया 'मेंस हेल्थ क्लिनिक'

लखनऊ, मार्च 18, 2026: पुरुषों में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं ध्यान में रखते हुए, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने अपने यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी विभाग के अंतर्गत डेडिकेटेड 'मेंस हेल्थ क्लिनिक'की शुरूआत की है। इस क्लिनिक में उन पुरुषों को व्यवस्थित और प्रमाण आधारित उपचार उपलब्ध मिलेगा, जो यौन, प्रजनन, हार्मोनल और यूरिन संबंधी समस्याओं के साथ-साथ पुरुषों में होने वाले कैंसर से जूझ रहे हैं।

इन समस्याओं के व्यापक रूप से पाए जाने के बावजूद, कई पुरुष सामाजिक झिझक तथा यह समझ न होने के कारण कि किस विशेषज्ञ से संपर्क करें, समय पर इलाज नहीं करा पाते। ऐसे में अक्सर मरीज इंटरनेट पर जानकारी खोजते हैं और कई बार अप्रमाणित चिकित्सकों, भ्रम फैलाने वाले विज्ञापनों और असुरक्षित इलाज के जाल में फंस जाते हैं।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में शुरू किया गया यह नया 'मेंस हेल्थ क्लिनिक'इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां प्रशिक्षित यूरोलॉजिस्ट और एंड्रोलॉजिस्ट द्वारा विशेष परामर्श दिया जाएगा, जिससे पुरुषों को सुरक्षित और गोपनीय वातावरण में वैज्ञानिक तरीके से जांच और इलाज की सुविधा मिल सके।क्लिनिक लॉन्च पर मैक्स सुपर

स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी के निदेशक - डॉ. राहुल यादव, ने कहा कि, 'यूरोलॉजिस्ट और एंड्रोलॉजिस्ट पुरुषों की सेक्स सम्बंधी, प्रजनन, हार्मोनल और मूत्र संबंधी समस्याओं के इलाज में विशेष रूप से प्रशिक्षित होते हैं। इस तरह का एक व्यवस्थित क्लिनिक हमें मरीजों का सही तरीके से मूल्यांकन करने और उन्हें सुरक्षित तथा वैज्ञानिक ढंग से इलाज की दिशा में मार्गदर्शन देने में मदद करता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है।'यहां इरेक्टाइल डिसफंक्शन, शीघ्रपतन, बांझपन, कम टेस्टोस्टेरोन, प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याएं, मूत्र संबंधी दिक्कतें और उम्र के साथ होने वाले हार्मोनल बदलाव जैसी कई स्थितियों का मूल्यांकन और इलाज होगा। मरीजों को हार्मोनल जांच, सीमन एनालिसिस, अल्ट्रासाउंड और डॉप्लर स्टडी जैसी जांचों की सुविधा भी मिलेगी, साथ ही व्यक्तिगत और दंपत्ति परामर्श सत्र भी होंगे।इस पहल पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, में यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी के निदेशक - डॉ. आदित्य के. शर्मा, ने कहा, 'हम हर महीने औसतन 1,000 पुरुष मरीजों को देखते हैं, जिनमें से अधिकांश को अपनी बीमारी के बारे में बहुत कम जानकारी होती है और वह तब आते हैं जब समस्या काफी बढ़ चुकी होती है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा सुरक्षित और सहज मंच तैयार करना है, जहां पुरुष खुलकर अपनी स्वास्थ्य समस्याओं पर बात कर सकें और उन्हें पूरी जांच, सही निदान और समय पर उपचार मिल सके।'इस क्लिनिक की शुरूआत के साथ, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ पुरुषों को अपनी झिझक छोड़कर समय पर इलाज कराने के लिए प्रेरित करना चाहता है ताकि यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचे कि पुरुषों से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं भी सामान्य मेडिकल कंडीशन हैं और इनका इलाज संभव है।

ताजमहल के सामने शूटिंग करना एक सपना सच होने जैसा था,' राची शर्मा ने कलर्स के 'दो दुनिया एक दिल' के बारे में कहा

कलर्स का 'दो दुनिया एक दिल'अपने प्रीमियर के बाद से ही हर दर्शक के दिल को छू रहा है और उन्हें एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ ऑफलाइन और ऑनलाइन दुनिया अप्रत्याशित तरीकों से टकराती हैं। इस कहानी के केंद्र में हैं शिवाय (विक्रम सिंह चौहान द्वारा निभाया गया किरदार), एक ऐसा व्यक्ति जिसने यह विश्वास रखते हुए अपने सपने बनाए कि तकनीक लोगों के लिए अच्छा कर सकती है, लेकिन एक क्रूर डिजिटल ठगी उसे सब कुछ खोने पर मजबूर कर देती है और वह पूरी तरह टूट जाता है। वहीं दूसरी ओर है आध्या (राची शर्मा द्वारा निभाया गया किरदार), एक युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जिसने अपनी पूरी पहचान ऑनलाइन दुनिया में बनाई है। ये दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, फिर भी प्यार अपना रास्ता बना लेता है। कहानी में बड़ा मोड़ तब आता है जब यह सामने आता है कि आध्या, बलदेव सिंह (सुधांशु पांडे) की बेटी है, वही व्यक्ति जिसने शिवाय की जिंदगी बर्बाद की। ऐसे समय में जब सच बदल सकता है और भरोसा एक क्लिक में टूट सकता है, आध्या खुद को दो दुनियाओं के बीच फंसा पाती है—एक डिजिटल जिंदगी और दूसरी भावनात्मक हकीकत। अपने इस किरदार को निभाने के अनुभव पर राची शर्मा बताती हैं कि आध्या का सफर उनके लिए कितना रोमांचक है।

शो के बारे में बात करते हुए राची शर्मा ने बताया कि यह कहानी आज के समय की उस सच्चाई को दशार्ती है, जहाँ लोग एक साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों दुनियाओं में जीते हैं, और आध्या का किरदार पूरी तरह डिजिटल दुनिया से जुड़ा हुआ है, जिसकी सोच शिवाय के आने से बदलने लगती है। उन्होंने कहा, 'दो दुनिया एक दिल'आज की उस जिंदगी को दशार्ता हैङ्ख आध्या पूरी तरह डिजिटल दुनिया से जुड़ी हुई है, लेकिन शिवाय से मिलने के बाद उसकी सोच बदलने लगती है।'

उन्होंने आगे बताया कि आध्या एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी लड़की है, जिसने ऑनलाइन अपनी मजबूत पहचान बनाई है, लेकिन इसके पीछे उसकी भावनात्मक जटिलताएँ भी हैं, जो उसके किरदार को और गहराई देती हैं। उनके अनुसार, 'आध्या बहुत आत्मविश्वासी हैङ्ख लेकिन उसके भीतर भावनात्मक जटिलताएँ भी हैं, जो उसकी यात्रा को और दिलचस्प बनाती हैं।'

शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए राची ने आगरा में शूटिंग को बेहद खास बताया और कहा, 'आगरा में शूटिंग करना बहुत खास थाङ्ख और ताजमहल के सामने शूटिंग करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा था।'

उन्होंने शो की प्रासंगिकता पर भी बात की और बताया कि यह कहानी डिजिटल दुनिया के अवसरों और जोखिमों दोनों को उजागर करती है, साथ ही दर्शकों को सतर्क और जागरूक रहने का संदेश देती है। राची ने अपने व्यक्तिगत अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार उन्हें स्कैम का सामना करना पड़ा था, जिससे उन्होंने ऑनलाइन और ऑफलाइन जिंदगी के बीच संतुलन बनाए रखने की अहमियत को समझा।

आने वाली कहानी को लेकर उन्होंने संकेत दिया कि दर्शकों को आगे गहरी भावनाएँ, अप्रत्याशित मोड़ और जटिल रिश्ते देखने को मिलेंगे, जहाँ यह सवाल उठेगा कि क्या प्यार सच और धोखे के बीच टिक पाएगा।

देखिए 'दो दुनिया एक दिल'हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर।

ईबीजी ग्रुप ने हार्ड रॉक इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की

(जीएनएस)।

* यह साझेदारी भारत के प्रीमियम होम अप्लायंसेज बाजार में ब्रांड-नेतृत्व वाली वृद्धि को वैश्विक इक्विटी और लाइफस्टाइल-प्रेरित उत्पाद नवाचार के संयोजन से आगे बढ़ाने की योजना बनाती है

* उत्पाद शीर्ष रिटेल और डिजिटल चैनलों के माध्यम से लॉन्च किए जाएंगे, शहरी उपभोक्ताओं को प्रदर्शन और लाइफस्टाइल अपील के साथ आकर्षित करेंगे

भारत, 18 मार्च 2026: ईबीजी ग्रुप, जो नवोन्मेषी उपभोक्ता और लाइफस्टाइल समाधान का एक प्रगतिशील खिलाड़ी है, ने हार्ड रॉक इंटरनेशनल के साथ एक रणनीतिक ब्रांड लाइसेंसिंग साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत भारत में हार्ड रॉक - ब्रांडेड प्रीमियम कॉफी मशीनें और छोटे किचन उपकरण पेश किए जाएंगे। भारत में प्रवेश रणनीति के हिस्से के रूप में, इस साझेदारी को 100 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश का समर्थन प्राप्त है, और 5 वर्षों में 500 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य का अनुमान है। यह सहयोग भारत के तेजी से बढ़ते प्रीमियम होम अप्लायंसेज सेगमेंट का लाभ उठाने का उद्देश्य रखता है, जिसका वर्तमान मूल्य 29,000 करोड़ रुपये है और अनुमानित 9% उअॠफ से बढ़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर, हार्ड रॉक आतिथ्य, मनोरंजन, रिटेल और लाइसेंस प्राप्त लाइफस्टाइल श्रेणियों में फैला हुआ है, जिससे यह दुनिया के सबसे पहचानने योग्य संगीत-प्रेरित ब्रांडों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। यह सहयोग भारत के प्रीमियम होम अप्लायंसेज सेगमेंट में हार्ड रॉक की एंट्री को चिह्नित करता है, जो अपने विशिष्ट डिजाइन भाषा और सांस्कृतिक पहचान को आधुनिक रसोईघरों में लाता है। कंपनियों का लक्ष्य शुरूआती वर्षों में लगभग 5% बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

लाइसेंसिंग समझौते के तहत, ईबीजी ग्रुप , हार्ड रॉक के बोल्ड और समकालीन ब्रांड एथोस के अनुरूप उत्पादों का डिजाइन, विकास, निर्माण और वितरण करेगा। लॉन्च का पहला चरण प्रमुख महानगरीय बाजारों में होगा, जिसके बाद अन्य प्रमुख शहरों में चरणबद्ध विस्तार किया जाएगा।

साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, ईबीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ डॉ. इरफान खान ने कहा, 'हार्ड रॉक के साथ साझेदारी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हार्ड रॉक ऊर्जा, प्रामाणिकता और एक वैश्विक आकांक्षी जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करता है। इस लाइसेंसिंग सहयोग के माध्यम से, हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम कॉफी मशीनों और छोटे किचन उपकरणों का एक अलग पोर्टफोलियो लाने का लक्ष्य रखते हैं, जो प्रदर्शन और ब्रांड अनुभव दोनों को महत्व देते हैं।

हमारा ध्यान ऐसे उत्पाद बनाने पर है जो भावनात्मक रूप से जुड़ाव पैदा करें और विश्वस्तरीय गुणवत्ता और विश्वसनीयता प्रदान करें।' आगामी रेंज में विशिष्ट हार्ड रॉक सौंदर्यशास्त्र को उच्च-प्रदर्शन तकनीक, प्रीमियम सामग्रियों और एक समकालीन, संगीत-प्रेरित लाइफस्टाइल अपील के साथ संयोजित किया जाएगा। उत्पादों को प्रमुख रिटेल चेन, प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और चुनिंदा प्रीमियम वितरण चैनलों के माध्यम से लॉन्च किए जाने की उम्मीद है, जो प्रदर्शन-उन्मुख उपकरणों के साथ मजबूत लाइफस्टाइल पोजिशनिंग की तलाश करने वाले आकांक्षी शहरी उपभोक्ताओं को लक्षित करेंगे।

'चिरैया' की टीम ने लखनऊ का दौरा किया; दिव्या दत्ता और निर्देशक शशांत शाह ने सहमति और कहानी कहने पर की अहम बातचीत

एसवीएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और शशांत शाह द्वारा निर्देशित, चिरैया को 20 मार्च से विशेष रूप से जियोहॉटस्टार पर देखें

लखनऊ, 18 मार्च 2026: जियोहॉटस्टार की आगामी सीरीज चिरैया की टीम हाल ही में एक विशेष मीडिया इंटरैक्शन के लिए लखनऊ पहुंची, जहां प्रख्यात अभिनेत्री दिव्या दत्ता और निर्देशक शशांत शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होकर मीडिया के साथ सार्थक बातचीत की। इस कार्यक्रम की मेजबानी मल्लिका यश अस्थाना ने की, जहां रचनाकारों और मीडिया के बीच एक दिलचस्प और विचारशील संवाद देखने को मिला।

लखनऊ में व्यापक रूप से शूट की गई चिरैया का शहर से गहरा जुड़ाव है, जो इसकी कहानी में यहां की संस्कृति, माहौल और भावनात्मक परतों को खूबसूरती से दशार्ता है। कार्यक्रम के दौरान मीडिया के लिए शो का ट्रेलर भी प्रदर्शित किया गया, जिसने एक ऐसी कहानी की झलक दी जो जटिल मानवीय रिश्तों और विवाह के भीतर सहमति जैसे अक्सर अनकहे विषय को सामने लाती है।

चिरैया अपने परिवेश से प्रामाणिकता ग्रहण करती है, जो इसके पात्रों और उनकी यात्राओं को एक सजीव और संवेदनशील रूप में प्रस्तुत करती है। मूल रूप से हिंदी में शूट की गई इस सीरीज को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए निमार्ताओं ने इसे 11 अन्य भाषाओं— बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, भोजपुरी, ओड़िया, गुजराती, हरियाणवी और राजस्थानी— में भी डब किया है।इस मीडिया इंटरैक्शन में शो के निर्माण, रचनात्मक निर्णयों और इसके सामाजिक संदर्भ पर भी चर्चा की गई। यह खुला और ईमानदार संवाद शो के उस उद्देश्य को और मजबूत करता है, जिसके तहत यह कहानी के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना चाहता है।चिरैया को 20 मार्च से केवल जियोहॉटस्टार पर देखें

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित

चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित

राम नवमी का विश्वभर के हिंदुओं के लिए आध्यात्मिक महत्व है

-महंत विशाल गौड़

लखनऊ, राम नवमी (संस्कृतः राम नवमी, रोमनकृतः रामनवमी) एक हिंदू त्योहार है जो हिंदू धर्म में पूजनीय देवता राम के जन्म का उत्सव मनाता है, राम जिन्हें विष्णु के सातवें अवतार के रूप में भी जाना जाता है। राम नवमी का विश्वभर के हिंदुओं के लिए आध्यात्मिक महत्व है। राम नवमी की कथा इस बात की याद दिलाती है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करती है, जैसा कि भगवान राम की राक्षस राजा रावण पर विजय से स्पष्ट होता है, और यही कारण है कि राम नवमी मनाई जाती है। राम नवमी चैत्र नवरात्रि का नौवां दिन है- ये नौ दिन देवी शक्ति के नौ रूपों को समर्पित हैं। यह त्योहार भगवान राम से भी जुड़ा हुआ है। इस दौरान प्रार्थना, झांकी, खाने-पीने की दुकानें, मेले आदि का आयोजन होता है। श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर चौक के महंत विशाल गौड़ ने बताया चैत्र नवरात्र-26 की शुरूआत 19 मार्च गुरुवार से होगी और इसका समापन 27 मार्च शुक्रवार को होगा। नवरात्र के पहले दिन की शुरूआत 19 मार्च को कलश स्थापना से की जाएगी, जिससे मां दुर्गा की पूजा की शुरूआत मानी जाती है

त्यौहार के पीछे का आध्यात्मिक तर्क

महंत ने बताया नवरात्रि मौसमी बदलावों से जुड़ी है, ऐसे क्षण जब प्रकृति में परिवर्तन होता है और पारंपरिक ज्ञान लोगों को अपनी दिनचर्या को सरल बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन नौ दिनों के दौरान उपवास, प्रार्थना और अनुशासित जीवन जीने से शरीर और मन दोनों में संतुलन बहाल करने में मदद मिलती है। इस वर्ष दुर्गा अष्टमी और राम नवमी एक ही दिन यानी गुरुवार 26 मार्च को पड़ रही हैं। यह एक असाधारण और शक्तिशाली संयोग है। भक्तों को इस दिन दुर्गा अष्टमी पूजा और राम नवमी दोनों का आयोजन करना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान ब्रह्मा द्वारा लगभग अजेयता का वरदान प्राप्त राक्षस राजा महिषासुर ने ब्रह्मांड में आतंक फैलाया था। इसके जवाब में, देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की, जिन्होंने नौ रातों तक महिषासुर से युद्ध किया और अंततः दसवें दिन उसे पराजित किया। यह त्योहार देवी दुर्गा को समर्पित है, जिनकी नौ रूपों की पूजा नौ दिनों तक की जाती है। अंतिम दिन राम नवमी भी है, जो राम का जन्मदिन है। इसी कारण कुछ लोग इसे राम नवरात्रि भी कहते हैं। कई क्षेत्रों में यह त्योहार वसंत ऋतु की फसल कटाई के बाद पड़ता है, और अन्य क्षेत्रों में फसल कटाई के दौरान। चैत्र नवरात्रि 2026 का प्रारंभ 19 मार्च को हो रहा है, जिसमें मां दुर्गा पालकी पर आसीन होकर हाथी पर विदा होती हैं। माता की सवारी का अर्थ और इसके शुभ या अशुभ संकेतों के बारे में जानें। चैत्र नवरात्रि 2026 का प्रारंभ 19 मार्च को हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में हो रहा है। मां दुर्गा पालकी पर आसीन होकर हाथी पर विदा होती हैं।

महंत ने बताया नवरात्रि साल में चार बार आती है, जो चैत्र, आषाढ़, आश्विन (शारदीय) और माघ महीनों में मनाई जाती है; इनमें से चैत्र और शारदीय नवरात्रि सबसे प्रमुख हैं, जबकि आषाढ़ और माघ की नवरात्रि गुप्त नवरात्रि कहलाती हैं और विशेष साधना के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।

फीनिक्स पलासियो में ग्रैंड टेबल टेनिस टूर्नामेंट का सफल समापन

- हर उम्र के खिलाड़ियों ने दिखाया दम, बच्चों से लेकर सीनियर तक में दिखा जोश

- युवा प्रतिभाओं से लेकर अनुभवी खिलाड़ियों तक, लखनऊ में टेबल टेनिस का बढ़ता जुनून दिखा

लखनऊ, 18 मार्च, 2026: शहर के खेल प्रेमियों के लिए यह सप्ताह खास रहा, जब फीनिक्स पलासियो में आयोजित दो दिवसीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट ने उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा का शानदार माहौल बना दिया। लखनऊ डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी तेजी, सटीकता और खेल भावना से दर्शकों का दिल जीत लिया।

आयोजन की सबसे खास बात इसकी सटीक और पेशेवर तैयारी रही, जहां ऑन-ग्राउंड व्यवस्थाओं से लेकर दर्शकों के अनुभव और स्वास्थ्य व सुरक्षा के सभी मानकों का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे पूरा टूर्नामेंट सहज और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। साथ ही, युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए विशेष क्लीनिक, टैलेंट सर्च सेशन और प्रदर्शन मंच तैयार किए गए, जिससे नए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और खेल के प्रति उनकी रुचि और मजबूत हुई। बेहतर प्रैक्टिस जोन, लाइव डेमो और व्यापक मीडिया कवरेज ने न केवल खिलाड़ियों और प्रायोजकों को अधिक पहचान दिलाई, बल्कि लखनऊ में टेबल टेनिस के माहौल को भी मजबूती दी। इसके साथ ही, विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फीनिक्स गिफ्ट कार्ड देकर सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिली।

पुरुष सिंगल्स में शौर्य ने शानदार खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि आकाश द्विवेदी उपविजेता रहे। महिला सिंगल्स में स्वास्ति चंद्रा विजेता रहीं और साक्षी तिवारी दूसरे स्थान पर रहीं। पुरुष डबल्स मुकाबलों में लक्ष्य और शौर्य की जोड़ी ने पुरुष वर्ग में जीत हासिल की, वहीं आकाश द्विवेदी और दिव्यांश गुप्ता उपविजेता रहे। महिला डबल्स में अमाया और वार्तिका सिंह की जोड़ी ने बाजी मारी, जबकि साक्षी और स्वास्ति चंद्रा दूसरे स्थान पर रहीं।

सीनियर वर्ग में भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया, जहां सचिन कुमार (40-49), बृजेन्द्र सिंह (50-59) और डॉ. डी.के. पुरुषोत्तम (60+) ने अपने-अपने वर्ग में बेहतरीन खेल दिखाया।

विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को 11,000 रुपये तक के फीनिक्स गिफ्ट कार्ड देकर सम्मानित किया गया, जिससे खिलाड़ियों में आगे बढ़ने का उत्साह और बढ़ा।

फीनिक्स पलासियो प्रबंधन की ओर से कहा गया, 'यह टूर्नामेंट खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हमें गर्व है कि हम एक ओर उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का मंच तैयार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रतिभाओं और सामुदायिक सहभागिता को भी मजबूत कर रहे हैं।'

फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा, 'यह टूर्नामेंट खेलों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के हमारे संकल्प का प्रतीक है। शहरभर से खिलाड़ियों की इतनी उत्साहपूर्ण भागीदारी और बेहतरीन प्रतिभा को देखना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। इस आयोजन को सफल बनाने में उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन और लखनऊ डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के अमूल्य सहयोग के लिए मैं उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही, उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के ऑनरेरी जनरल सेक्रेटरी श्री अरुण कुमार बनर्जी को उनके निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन के लिए विशेष धन्यवाद।'दो दिनों तक चले इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि लखनऊ में खेलों के प्रति न केवल जुनून है, बल्कि प्रतिभा की भी कोई कमी नहीं है। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों और दर्शकों, सभी के लिए एक यादगार अनुभव बनकर उभरा।

शपथ ग्रहण : बार, बेंच, संगठन व सरकार के समन्वय से बदलेगी कोर्ट परिसर की तस्वीर- संजीव गौड़ राज्य मंत्री

(जीएनएस)।

दुद्धी (सोनभद्र)। दुद्धी बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संजीव गौड़ ने संबोधन में कहा कि कोर्ट परिसर में दुद्धी बार एसोसिएशन द्वारा प्रस्तावित मांग पर अधिवक्ताओं एवं वादकारियों के लिए मूलभूत सुविधाओं के लिए हर संभव सहयोग द्वारा ओबरा के तर्ज पर अधिवक्ताओं के सुसज्जित चेंबर शुद्ध जल एवं अत्याधुनिक भवन के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा जिससे गरीबों को न्याय आसानी सें मिल सके। भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने कहा कि मैं दुद्धी बार एसोसिएशन का सदस्य हूँ और यहां से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है दुद्धी बार एसोसिएशन को मैं आदर्श मानता हूं और कोर्ट परिसर के विकास के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद कुमार पाण्डेय सदस्य बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। उन्होंने मंच पर उठाए गए जनहित संबंधी मांग को न्यायोचित और वादकारियों के हित में बताते हुए सरकार के प्रतिनिधियों से पूर्ण करने की मांग की साथ ही नवनिर्वाचित कमेटी को शुभकामनाएं ज्ञापित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुलभूषण पांडे एडवोकेट का शपथ ग्रहण बार काउंसिल सदस्य उत्तर प्रदेश विनोद कुमार पांडे द्वारा कराया गया। जिनका माल्यार्पण निवर्तमान अध्यक्ष प्रेमचंद यादव द्वारा किया गया। कुलभूषण पांडे एडवोकेट ने मंचसीन सरकार के मंत्री व जिला अध्यक्ष से हाथीनाला थाना अंतर्गत वादकारियों का जनपद सोनभद्र 80 किलोमीटर मुकदमा को दुद्धी कोर्ट स्थानांतरण करने, अपीलीय कोर्ट, एडीजे आदि भवन का निर्माण कराने, कोर्ट परिसर का अत्याधुनिक कार्यकल्प करने आदि कई मांगों को लिखित रूप में मुख्य अतिथि व जिला अध्यक्ष को ज्ञापन सौपा। सचिव दिनेश कुमार गुप्ता का सिविल जूनियर डिवीजन जज द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया शेष पदाधिकारीयों का एल्डर कमेटी अध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल व निर्वाचन अधिकारी आदि द्वारा गवर्निंग काउंसिल सदस्य 15 वर्ष से ऊपर विद्यापति विश्वकर्मा, वृज बिहारी चौधरी, बबीता गुप्ता, मुरलीधर, अनिल मौर्य, दिलीप पांडे, गवर्निंग काउंसिल 02 वर्ष से ऊपर जसपाल सिंह, प्रदीप गुप्ता, दीपक गुप्ता, अखिलेश कुमार तिवारी, कृष्णानंद तिवारी, कृष्ण कुमार पासवान आदि का शपथ ग्रहण कराया गया। इस मौके पर अनुसूचित जाति जनजाति आयोग उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, पूर्व विधायक दुद्धी हरि राम चेरो, अध्यक्ष नगर पंचायत दुद्धी कमलेश मोहन, ब्लाक प्रमुख म्योरपुर मान सिंह गोड, पूर्व उपाध्यय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग राम नरेश पासवान, सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष-अशोक श्रीवास्तव।

प्रगति विजेता, शिवांकी उपविजेता; महिला दिवस पर लेडीज ओपन लॉन टेनिस टूर्नामेंट सम्पन्न

Kangaroo Kids International Preschool Prayagraj की टेनिस अकादमी में महिला दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 16 मार्च तक लेडीज ओपन लॉन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसके बाद खेले गए क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में प्रगति ने जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, जबकि शिवांकी उपविजेता रहीं। मेहेरमाला व साक्षी सेमीफाइनलिस्ट तथा स्वाति, आरती, सोनी और स्नेहा क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं।

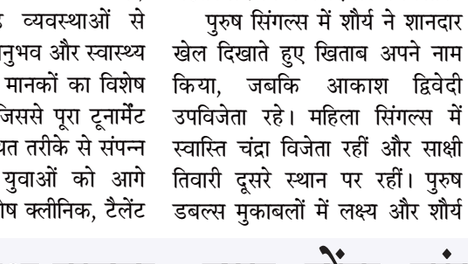

समापन समारोह में विजेता व प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन में महिला खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने को मिली।

मेला समिति गठन को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

(जीएनएस)।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड स्थित माँ ज्वाला मुखी मंदिर पर लगने वाले पारंपरिक मेले के समिति गठन को लेकर स्थानीय लोगों में असंतोष देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में गुप्तेश्वर कुमार सोनी ने उपजिलाधिकारी दुद्धी को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर मेला समिति के पुनर्गठन की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि माँ ज्वालामुखी मंदिर पर लगने वाला मेला कई वर्षों से आयोजित होता चला आ रहा है। पूर्व में मेले की सरकारी बोली होती थी और इसकी अध्यक्षता ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड के प्रधान करते थे। साथ ही मेले से प्राप्त धनराशि ग्राम पंचायत के निधि खाते में जमा होती थी तथा संचालन पंचायत की प्रशासनिक समिति द्वारा किया जाता था।

आरोप है कि पिछले 2-3 वर्षों से मेला समिति का गठन बदल दिया गया है और इसे ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड से अलग कर अन्य ग्राम पंचायत के लोगों को सौंप दिया गया है, जो स्थानीय लोगों के अनुसार न्यायसंगत नहीं है।

प्रार्थी ने उपजिलाधिकारी से मांग की है कि वर्तमान मेला समिति गठन को निरस्त करते हुए पुनः ग्राम पंचायत चिल्काड़ाड को ही मेला संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि स्थानीय समस्याओं का समाधान हो सके और पारंपरिक व्यवस्था बहाल की जा सके।

इस संबंध में प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है।

अभिषेक सर्राफ ने सीआईआई उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला एवं प्रणय एस गर्ग बने उपाध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश

लखनऊ

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2026-27 के लिए श्री अभिषेक सर्राफ, प्रबंध निदेशक, अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड को सीआईआई उत्तर प्रदेश का नया अध्यक्ष तथा श्री प्रणय एस गर्ग, प्रबंध निदेशक, एडवांस वाल्व्स प्रा. लि. को उपाध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है।

श्री अभिषेक सर्राफ , अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं, जो भारत के रेल अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में एक स्थापित नाम है। एक द्वितीय पीढ़ी के उद्यमी के रूप में, उनके पास दो दशकों से अधिक का अनुभव है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने भारतीय रेल, मेट्रो प्रणालियों और उभरते हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा एवं इंजीनियरिंग घटकों के निर्माण में उल्लेखनीय विस्तार किया है। उनके गतिशील नेतृत्व में कंपनी देशभर में कई विनिर्माण इकाइयों का संचालन कर रही है और मेनलाइन, मेट्रो, सेमी-हाई-स्पीड तथा हाई-स्पीड रेल प्रणालियों के लिए उत्पाद आपूर्ति कर रही है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार, प्रौद्योगिकी साझेदारी और औद्योगिक विनिर्माण का व्यापक अनुभव है, जो भारत के रेलवे इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में योगदान दे रहा है।

श्री प्रणय शंकर गर्ग , एडवांस वाल्व्स के प्रबंध निदेशक हैं और ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी को एक अग्रणी समाधान प्रदाता के रूप में स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने वैश्विक स्तर पर प्रमुख ऑयल एवं गैस कंपनियों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है और अग्रणी एढउ कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारियाँ विकसित की हैं। उन्होंने भारत के वाल्व विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री धारक हैं तथा श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में स्नातक हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव और बहुसांस्कृतिक व्यावसायिक समझ का व्यापक अनुभव है।यह सत्र उद्योग और सरकार के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश को भारत की अर्थव्यवस्था के प्रमुख विकास इंजन के रूप में सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने राज्य के आर्थिक परिवर्तन के लिए आवश्यक प्रमुख क्षेत्रों और नीतिगत प्राथमिकताओं पर अपने विचार साझा किए।

सीआईआई उत्तर प्रदेश ने कनाडा के उच्चायुक्त महामहिम क्रिस्टोफर कूटर के साथ संवाद सत्र आयोजित किया

भारतीय उद्योग परिसंघ (उक्क), उत्तर प्रदेश ने कनाडा के भारत में उच्चायुक्त महामहिम क्रिस्टोफर कूटर के साथ एक विशेष इंटरैक्शन सत्र आयोजित किया, जिसमें उद्योग जगत के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। इस संवाद का उद्देश्य भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा करना था। बैठक का नेतृत्व श्री अभिषेक सर्राफ, अध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश एवं प्रबंध निदेशक, अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड तथा श्री प्रणय एस गर्ग, उपाध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश एवं प्रबंध निदेशक, एडवांस वाल्व्स ने किया।

इस इंटरैक्शन ने भारत और कनाडा के बीच सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा, एग्री-टेक, शिक्षा, अवसंरचना और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में। चर्चा के दौरान व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने तथा कौशल विकास और नवाचार के नए आयामों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सीआईआई के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के बदलते औद्योगिक परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए और राज्य में कनाडाई निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ कनाडा में राज्य के लिए उपलब्ध अवसरों का भी अन्वेषण किया। चर्चा में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, नीतिगत सहयोग और उद्योग संगठनों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल रहे।

यह सत्र भारत-कनाडा आर्थिक सहयोग को और सशक्त बनाने तथा पारस्परिक विकास के लिए नए सहयोगी अवसरों की खोज के साझा संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

डीएम श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

बैठक में जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग व मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक/बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद प्रयागराज में जितने भी स्कूल, मैरेज हॉल एवं हॉस्पिटल संचालित हो रहे हैं, यदि रोड पर अवैध रूप से वाहन खड़े मिलेंतो संस्थान व वाहन स्वामी के विरूद्ध नोटिस निर्गत करते हुए सख्त कार्यवाही की जाय।

यातायात निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि शहरी क्षेत्र में अत्यधिक भीड़-भाड़ एवं जाम वाले स्थलों पर यथा चैक, घण्टा घर, सिविल लाइन्स, लल्ला चुंगी जैसे स्थानों पर टैम्पो टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों एवं स्थानीय वेंडर को शामिल करते हुए एक बैठक कर ली जाय जिससे कि जाम से निजात दिलायी जा सके।

नगर क्षेत्र में वृहद जाम के दृष्टिगत शहर को जाम से मुक्त किये जानें हेतु स्थायी होर्डिंग्स एरिया हेतु भूमि के चिन्हांकन के लिए अपर जिलाधिकारी (नगर), प्रयागराज की अध्यक्षता में एआरएम रोडवेज व एडीसीपी (टैफिक), पुलिस विभाग व अपर नगर आयुक्त, नगर-निगम एवं परिवहन विभाग की संयुक्त गठित टीम का चिन्हांकन कर अपेक्षित कार्यवाही करेगी।

निर्देशित किया गया कि अपर जिलाधिकारी (नगर) प्रयागराज की अध्यक्षता में डीसीपी (यातायात), एआरएम रोडवेज व परिवहन विभाग एवं टैम्पो टैक्सी यूनियन की संयुक्त टीम शहरी क्षेत्र में नो ई-रिक्शा जोन/नो व्हिकल जोन तथा पैडिस्ट्रियन जोन चिन्हित कर कार्यवाही करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी प्रकार के वाहनों की पार्किंग/ठेला/वेन्डर्स मुख्य चैराहों के समीप स्थित न हों। समिति द्वारा चिन्हित चैराहों पर नगर-निगम, पीडीए, लोक निर्माण विभाग, एनएच, विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। वृहद दुर्घटनाओं के दृष्टिगत एम्बुलेंस शहर से जानें वाले विभिन्न राष्ट्रीय मार्गों के नजदीक ट्रामा सेंटरों व प्राइवेट तथा सरकारी हास्पिटल क्रियाशील रखा जाय। जिससे कि कम समय में समुचित इलाज घायलों/आहतों को दिया जा सके। उन जगहों को चिन्हित कर उन पर पेंट करने की कार्यवाही करेंगे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आकस्मिक दुर्घटनाओं के दृष्टिगत एम्बुलेंस 108 के सुचारू संचालन हेतु रूट चार्ट सहित एम्बुलेंस 108 की सूची पुलिस

अनपरा के इंजीनियर चंद्र प्रकाश को महाप्रबंधक पद पर प्रोन्नति मिली 'ब' तापीय परियोजना की कमान, विद्युत्कर्मियों एवं संगठन पदाधिकारियों ने जताया हर्ष

(जीएनएस)।

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा तापीय परियोजना में कार्यरत इं. चंद्र प्रकाश को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा महाप्रबंधक के पद पर प्रोन्नत किए जाने पर परियोजना परिसर में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर तमाम विद्युत कर्मियों एवं विभिन्न संगठन के पदाधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया और भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात के दौरान विद्युत कर्मियों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने इं.चंद्र प्रकाश के अब तक के कार्यकाल और उनके योगदान की चर्चा की। परियोजना मे कार्यरत इं अभिषेक सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी तथा कहा कि श्री चंद्र प्रकाश सर की कार्यशैली, तकनीकी विशेषज्ञता और निगम के प्रति उनकी निष्ठा सभी के लिए प्रेरणादायक है। कर्मियों ने विश्वास जताया कि महाप्रबंधक के रूप में उनका अनुभव निगम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। उपस्थित विद्युत कर्मीयों ने उनके सफल कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इं असुरजीत शर्मा तथा प्रवीण कश्यप ने पुष्प गुच्छ तथा अंगवस्त्र भेंट कर शुभकामनायें देते हुए कहा कि उनकी यह पदोन्नति न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है, बल्कि इससे पूरे अभियंता सवर्ग तथा विद्युत कर्मियों का मान बढ़ा है श्री चंद्र प्रकाश के मुख्य अभियंता बनते ही पूरे परियोजना कर्मियों मे खुशी की लहर दौड़ गयी अनपरा परियोजना मे अत्यधिक लोकप्रिय अभियंता हैँ इस शुभ अवसर पर पुरे परियोजना से बधाई का ताँता लगा रहा सभी ने इस अवसर पर इं चंद्र प्रकाश को बधाई दी इस अवसर पर मुख्य रूप से इं एस पी यादव, उत्पल शंकर, अच्युतेश कुमार, विजय कुमार दिनकर, कुमार गौरव, आलोक त्रिपाठी, मनोज प्रसाद, राम ज्ञान सिंह, पवन तिवारी, उमेश पाण्डेय, रामदरश, रवि कुरील, अरुण कुमार,ओम प्रकाश भारती, वेद प्रकाश विश्वकर्मा, मो शाहिद, केशव प्रसाद, संदीप सिंह, राजेश कुमार मौर्य, अनूप चंद्रा, दिनेश शंकर द्विवेदी, अभिषेक सिंह, रवित कुमार,वैशाली गौतम, भैया विवेक सिंह, विकाश रंजन, अखिलेश सिंह, अविनाश सिंह, सुजीत सोनी, प्रशांत उपाध्याय, विशाल शाही समेत काफी संख्या मे परियोजना कर्मी बधाई देने पहुंचे, विद्युत कर्मी नेता विष्णु देव झा ने इं चंद्र प्रकाश को मुख्य अभियंता बनने पर ढेर सारी शुभकामनायें दीं तथा स्मृति चिन्ह देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की आज लगभग सैकड़ों लोगों द्वारा बधाई दी गयी।

कानून के हाथ लंबे हैं या दबंगों के पत्थर? एक डरी हुई माँ का अधूरा इंसाफ, अपराधियों का सीना चौड़ा और बेटियों के मन में खौफ का बसेरा

लखनऊ। ठाकुरगंज राजधानी की सड़कों पर महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े होर्डिंग्स शायद धूप में फीके पड़ गए होंगे, तभी तो ठाकुरगंज के खिल्ली चौराहे पर मर्दानगी का एक नया और वीभत्स अध्याय लिखा गया। घटना महज इतनी थी कि आशा नाम की एक महिला के घर की गैस खत्म हो गई थी। वह अपनी दो बेटियों भारती और आरती के साथ बाहर नाश्ता करने निकली थी, पर उसे क्या पता था कि चौराहे पर कुछ सूरमा हाथ में पत्थर लिए उसकी मयार्दा का नाश्ता करने को बेताब बैठे हैं।

रवि, राजू, कन्हैयालाल और उनके पूरे कुनबे ने मिलकर जो पराक्रम दिखाया, वह वाकई हैरतअंगेज है। एक अकेली महिला और उसकी दो जवान बेटियों को घेरकर मां-बहन की गालियां देना, उनके बाल पकड़कर जमीन पर घसीटना और फिर ईंट-पत्थरों से उन पर प्रहार करना, यह सब किसी फिल्म का विलेन वाला सीन नहीं बल्कि हमारे सभ्य समाज की असलियत है। आखिर कन्हैयालाल के दामाद और उनके साथियों ने यह तो सिद्ध कर ही

दिया कि जब तक समाज में ईंटें मौजूद हैं, तब तक किसी बेटी का बाहर निकलना एक दुस्साहस ही माना जाएगा।

हैरानी की बात यह है कि जब राहगीरों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो इन शूरवीरों का सीना और चौड़ा हो गया। सरेआम जान से मारने की धमकी दी गई, परिवार को खत्म करने का ऐलान हुआ और अंततः जीत उसी दहशत की हुई जो आज आशा और उसकी बेटियों की आँखों में साफ देखी जा सकती है। अपराधी आज भी सीना तानकर घूम रहे होंगे, जबकि वह पीड़ित परिवार अपने ही घर की चारदीवारी में कैद होने को मजबूर है।

अक्सर कहा जाता है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन क्या वे इतने लंबे हैं कि ठाकुरगंज की गलियों में छिपे इन हमलावरों के गिरेबान तक पहुँच सकें? या फिर दबंगों के फेंके हुए पत्थर कानून की इन भुजाओं से कहीं ज्यादा भारी पड़ने वाले हैं? आशा ने अपनी तहरीर में न्याय की गुहार लगाई है, लेकिन न्याय की चक्की की धीमी रफ्तार और इन दबंगों का रसूख, कहीं इस मामले को भी एक साधारण मारपीट की फाइल बनाकर दफन न कर दे।

ठाकुरगंज पुलिस के पास अब यह प्रार्थना पत्र है। देखना यह है कि क्या खाकी की हनक इन ईंट-पत्थर के शौकीनों तक पहुँच पाती है या फिर कार्यवाही की फाइल भी उसी ठंडे बस्ते में जाएगी जहाँ अक्सर न्याय की उम्मीदें दम तोड़ देती हैं। आखिर जब तक समाज में ऐसे वीर खुले घूमेंगे, तब तक किसी बेटी का बाहर निकलकर नाश्ता करना एक जानलेवा जोखिम ही बना रहेगा।

भारतीय नौसेना की ओर से हिंद महासागर के आसपास के देशों के साथ सामुद्रिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए आईओएस सागर पहल

(जीएनएस)।

हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, इंडियन ओशन शिप (आईओएस) सागर की 16 मार्च 2026 को शुरूआत हुई। यह आईओएस सागर पहल का दूसरा आयोजन है।

फरवरी 2026 में भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर नौसेना सिम्पोजियम (आईओएनएस) की अध्यक्षता ग्रहण की थी। इसलिए, इस आयोजन में हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के 16 आईओएनएस देशों की भागीदारी शामिल है।

यह पहल भारत के दीर्घकालिक सामुद्रिक सहयोग के प्रयासों पर आधारित है और क्षेत्र में सभी के लिए सरकार के सुरक्षा और विकास (सागर) के संबंध में दृष्टिकोण को दशार्ती है, साथ ही यह पूरे क्षेत्र में महासागर यानी पारस्परिक और समग्र क्षेत्रीय सुरक्षा विकास के व्यापक कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाती है।

आईओएस सागर एक अद्वितीय संचालन सहभागिता कार्यक्रम है जो विदेशी मित्र देशों के नौसैनिकों को भारतीय नौसेना के जहाज पर एक साथ प्रशिक्षण और नौकायन करने में सक्षम बनाता है। जहाज पर होने वाली गतिविधियों और व्यावसायिक प्रशिक्षण मॉड्यूल में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों को शामिल करके, यह पहल व्यावहारिक सहयोग, अंतरसंचालनीयता और सामुद्रिक संचालन की साझा समझ को बढ़ावा देती है।

आईओएस सागर के वर्तमान आयोजन के हिस्से के रूप में, 16 विदेशी मित्र देशों के नौसैनिक इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कार्यक्रम का प्रारंभ कोच्चि में स्थित भारतीय नौसेना प्रशिक्षण केंद्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण सत्रों के साथ होगा, जहां प्रतिभागियों को नौसेना संचालन, समुद्री कौशल और सामुद्रिक सुरक्षा से जुड़ी अवधारणाओं के प्रमुख पहलुओं से अवगत कराया जाएगा। इस चरण के बाद, प्रतिभागियों को भारतीय नौसेना के जहाज पर तैनात किया जाएगा, जहां वे भारतीय नौसेना कर्मियों के साथ मिलकर समुद्री यात्रा करेंगे और समुद्र में संचालनात्मक गतिविधियों में भाग लेंगे।

यात्रा के दौरान, जहाज सामुद्रिक गतिविधियों और बंदरगाह के दौरे में भाग लेगा, जिससे क्षेत्र भर में सहयोगी नौसेनाओं और समुद्री एजेंसियों के साथ संवाद स्थापित करने में मदद मिलेगी। इन गतिविधियों का उद्देश्य पेशेवर संबंधों को मजबूत करना, सर्वोत्तम प्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और साझा सामुद्रिक चुनौतियों की एक गहरी समझ को विकसित करना है।

आधार विश्व की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली है और लगभग 134 करोड़ सक्रिय आधार धारक हैं

आधार इकोसिस्टम को गोपनीयता की सुरक्षा की दृष्टि से डिजाइन किया गया है और इसमें जनसांख्यिकीय डेटा विराम और गतिमान, दोनों ही स्थितियों में एन्क्रिप्टेड रहता है आधार डेटा का भंडारण और प्रोसेसिंग भारत में ही होता है

(जीएनएस)।

आधार, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा संचालित विश्व की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली है और लगभग 134 करोड़ सक्रिय आधार धारक हैं। इसने 17,000 करोड़ से अधिक प्रमाणीकरण संबंधी लेनदेन पूरे किए हैं।

यूआईडीएआई की आधार प्रमाणीकरण सेवाः

यूआईडीएआई अधिकृत संस्थाओं को आधार प्रमाणीकरण सेवा प्रदान करता है, जिसके जरिए किसी व्यक्ति के आधार नंबर और संबंधित पहचान संबंधी जानकारी का आधार डेटाबेस से सत्यापन किया जाता है। यह सत्यापन ओटीपी, बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट, आंख की पुतली, चेहरा) या जनसांख्यिकीय विवरणों का उपयोग करके व्यक्ति की पहचान की पुष्टि करता है ताकि संस्था द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अधिकृत संस्थाओं द्वारा उपयोग किया जाने वाला आधार चेहरा प्रमाणीकरण एआई/मशीन लर्निंग तकनीक पर आधारित है, जो चेहरे के बायोमेट्रिक का सटीक प्रमाणीकरण संभव बनाता है।

आधार प्रमाणीकरण सेवाओं का

उपयोग करने की इच्छुक किसी भी संस्था को आधार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार यूआईडीएआई के साथ प्रमाणीकरण उपयोगकर्ता एजेंसी (एयूए) या केवाईसी उपयोगकर्ता एजेंसी (केयूए) के रूप में पंजीकृत होना आवश्यक है।

प्रमाणीकरण लॉग तक पहुंचः

प्रत्येक एयूए या केयूए को प्रमाणीकरण लॉग दो वर्षों तक सुरक्षित रखना आवश्यक है। आधार नंबर धारक इन लॉग्स को देख सकते हैं या शिकायत निवारण एवं विवाद समाधान के लिए इन्हें साझा कर सकते हैं। दो वर्षों के बाद, इन लॉग्स को पांच वर्षों के लिए संग्रहीत किया जाता है और बाद में हटा दिया जाता है।

आधार डेटा की सुरक्षाः

आधार इकोसिस्टम को गोपनीयता की सुरक्षा की दृष्टि से डिजाइन किया गया है और इसमें जनसांख्यिकीय डेटा विराम और गतिमान, दोनों ही स्थितियों में एन्क्रिप्टेड रहता है। आधार अधिनियम आधार डेटा के संग्रहण, धारण, पहुंच और उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाता है।

यूआईडीएआई ने आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में शामिल संस्थाओं के लिए एक त्रिस्तरीय ऑडिट ढांचा लागू किया है, जिसमें स्व-अनुपालन ऑडिट, सूचना सुरक्षा वार्षिक ऑडिट और जीआरसीपी (शासन, जोखिम, अनुपालन और गोपनीयता) ऑडिट शामिल हैं।

यह बहुस्तरीय दृष्टिकोण इस इकोसिस्टम की विश्वसनीयता, सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करता है और आधार संख्या धारकों के लिए जोखिमों को कम करने में मदद करता है।

आधार डेटा के संग्रहण, धारण, पहुंच और उपयोग को नियंत्रित करने वाली विस्तृत मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) और दिशानिर्देश सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। मुख्य प्रावधानों में शामिल हैंः

- आधार संख्या धारक की अनिवार्य सूचित सहमति
- उद्देश्य-विशिष्ट प्रमाणीकरण
- केवल पूर्वनिर्धारित और स्पष्ट रूप से अनुमत उद्देश्यों के लिए आधार प्रमाणीकरण
- सुरक्षित और सीमित प्रमाणीकरण प्रतिक्रिया
- आधार डेटा वॉल्ट में सुरक्षित भंडारण
- केवल प्रमाणित उपकरणों का उपयोग
- सीमित और एन्क्रिप्टेड डेटा धारण
- किसी भी संस्था द्वारा बायोमेट्रिक डेटा धारण की अनुमति नहीं
- अनिवार्य ऑडिट ट्रेल

डिजाइन और संरचना के अनुसार, आधार डेटा का भंडारण और प्रोसेसिंग भारत में ही होता है और यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा संबंधी उपाय किए गए हैं कि इसका उल्लंघन न हो।

यह जानकारी केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद ने 18.03.2026 को लोकसभा में दी।

मंत्रिमंडल ने 'वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए लघु जल विद्युत (एसएचपी) विकास योजना' को मंजूरी दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए लघु जलविद्युत (एसएचपी) विकास योजना' को मंजूरी दे दी है। इसके तहत, लगभग 1500 मेगावाट क्षमता की लघु जलविद्युत (एसएचपी) परियोजनाओं की स्थापना पर 2584.60 करोड़ रुपये का परिव्यय होगा।

इस योजना से विभिन्न राज्यों में स्थापित होने वाली लघु जलविद्युत परियोजनाओं (1-25 मेगावाट क्षमता वाली) को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना विशेष रूप से पहाड़ी तथा उत्तर पूर्वी राज्यों को लाभ पहुंचाएगी, जिनमें ऐसी परियोजनाओं की अपार संभावनाएं हैं। उत्तर पूर्वी राज्यों और अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे जिलों में, केंद्र सरकार द्वारा प्रति मेगावाट 3.6 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 30 प्रतिशत (जो भी कम हो) की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति परियोजना 30 करोड़ रुपये होगी।

युवा खेल महोत्सव 2.0 में कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता का खिताब भाषा विश्वविद्यालय ने जीता

लखनऊ के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित युवा खेल महोत्सव 2.0 के अंतर्गत कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में विश्वविद्यालय की टीम ने श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, लखनऊ को 38-35 के करीबी अंतर से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय की टीम ने पूरे मुकाबले के दौरान संतुलित आक्रमण और मजबूत रक्षण का परिचय देते हुए बढ़त बनाए रखी और अंततः जीत हासिल की। खिलाड़ियों के बीच बेहतर समन्वय, सुदृढ़ रणनीति और संघर्षशीलता इस विजय के प्रमुख कारक रहे।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विजेता टीम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि ऐसी सफलताएँ विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना और उत्कृष्टता की भावना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज शुक्ल ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे खिलाड़ियों के निरंतर अभ्यास और समर्पण का परिणाम बताया। वहीं क्रीड़ा परिषद के सचिव मो. शारिक ने कहा कि विश्वविद्यालय खेल गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने विजेता टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में कहा - शून्य सीमा शुल्क से परमाणु ऊर्जा की अर्थव्यवस्था में बदलाव आएगा

शुल्क-मुक्त परमाणु आयात से परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेज होगा और बिजली की लागत कम होगीः डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवश्यक वस्तुओं के आयात पर शून्य सीमा शुल्क से देश में परमाणु ऊर्जा विकास की गति में तेजी आने के साथ-साथ परियोजना की कुल लागत और बिजली की प्रति इकाई लागत में भी कमी आने की संभावना है, जिससे ऐसी परियोजनाएं अधिक व्यवहार्य हो जाएंगी, विशेष रूप से वे परियोजनाएं जिनमें विदेशी सहयोग शामिल है और जिनमें आयात की पर्याप्त मात्रा होती है।

लोकसभा में श्री रमेश अवस्थी और श्री रवि किशन द्वारा पूछे गए एक गैर-तारांकित प्रश्न का लिखिति उत्तर देते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सरकार की ओर से किए गए उपायों का विस्तृत विवरण दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2035 तक परमाणु ईंधन और रिएक्टर घटकों पर सीमा शुल्क से छूट देने से

परियोजना लागत और बिजली उत्पादन लागत दोनों को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता में सुधार होगा।

नव स्वीकृत दस 700 मेगावाट प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) इकाइयों के लिए घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के संबंध में डॉ जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने कई कदम उठाए हैं। इनमें निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए थोक ऑर्डर देना, आवश्यक सहायता प्रदान करके विक्रेता आधार का विस्तार करना, आयात प्रतिस्थापन के लिए स्वदेशी उपकरणों को बढ़ावा देना, कुछ उपकरणों को प्रथम श्रेणी के स्थानीय आपूर्तिकताओं के लिए आरक्षित करना और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने और उन्हें बोलियों में प्राथमिकता देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विक्रेता बैठकें आयोजित करना शामिल है।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में अनुसंधान एवं विकास के लिए बढ़ी हुई धनराशि के संबंध में डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि बढ़ी हुई धनराशि का उपयोग आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से बहुविषयक प्रौद्योगिकी विकास के लिए किया जा रहा है। प्रमुख क्षेत्रों में नए अनुसंधान रिएक्टरों का विकास, विशेष रूप से कैंसर उपचार के लिए आइसोटोप उत्पादन सुविधाएं, लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) और हाइड्रोजन उत्पादन सहित उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियां, त्वरक प्रौद्योगिकियां, लेजर-आधारित अनुप्रयोग और उन्नत सामग्री एवं विनिर्माण प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि फिलहाल तटीय राज्यों में आगामी परमाणु पार्कों के निर्माण और लॉजिस्टिक्स के साथ पीएम गति शक्ति ढांचे को एकीकृत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

6 जी का भविष्य चार स्तंभों पर आधारित होना चाहिए—इंटरऑपरेबिलिटी, समान मानक, नवाचार और समावेशी विकास : श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा—6G का भविष्य चार स्तंभों पर आधारित होना चाहिए—इंटरऑपरेबिलिटी, समान मानक, नवाचार और समावेशी विकास।

उन्होंने आगे कहा- 'प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2022 में भारत 6ॠ एलायंस की स्थापना की गई, जिसने भारत के 6ॠ विजन को प्रस्तुत किया। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—6ॠ के विकास के साथ वैश्विक मानकों और पेटेंट में कम-से-कम 10 प्रतिशत योगदान देना।'

टीईसी ने अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमे वैश्विक विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद् और नीति-निमार्ता 6G Ecosystem पर चर्चा के लिए एकत्र हुए।

कार्यशाला ने ITU और 3GPP जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण निकायों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वैश्विक 6G मानकीकरण प्रयासों में भारत की भूमिका को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अक् स्पेक्ट्रम योजना, नेटवर्क आर्किटेक्चर और उभरते अनुप्रयोगों को भविष्य के 6G Systems के प्रमुख स्तंभों के रूप में चिन्हित किया गया ।

कार्यशाला में भारतीय शोधकताओं, स्टार्ट-अप्स और तकनीकी नवोन्मेषकों के लिए वैश्विक 6G अनुसंधान और मानकीकरण Ecosystem में सक्रिय भागीदारी के अवसरों पर प्रकाश डाला गया ।

(जीएनएस)।

संचार तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज भविष्य की वैश्विक दूरसंचार संरचना के निर्माण में भारत की सार्थक भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा-'इस दिशा में आगे बढ़ते हुए हमारी भूमिका चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। पहला, वैश्विक इंटरऑपरेबिलिटी सुनिश्चित करना—उपकरणों, नेटवर्क और सेवाओं के बीच—ताकि एकीकृत Ecosystem में विश्व सहज रूप से संचार कर सके।

दूसरा, 3GPP और ITU जैसे वैश्विक निकायों के सहयोग से एक साझा तकनीकी ढांचा विकसित करना, जिससे रेडियो इंटरफेस, कोर नेटवर्क, स्पेक्ट्रम और सेवा संरचना के लिए समान मानक स्थापित किए जा सकें।

तीसरा, नवाचार और अनुसंधान

को गति देना, जहाँ स्पष्ट वैश्विक मानक शोधकताओं, स्टार्ट-अप्स और उद्योग को नवाचारों को व्यावहारिक समाधान में बदलने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करें।

चौथा और सबसे महत्वपूर्ण, समावेशी विकास और स्वदेशी नवाचार सुनिश्चित करना। खुले मानक एक समान अवसर प्रदान करते हैं, जिससे देश योगदान कर सकें, बौद्धिक संपदा का निर्माण कर सकें और यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रौद्योगिकी के लाभ विश्व के प्रत्येक नागरिक तक पहुँचें। इन स्तंभों को साकार करने के लिए निरंतर अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वैश्विक संवाद और सतत सहभागिता आवश्यक है।'

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 6G मानकीकरण पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मंच पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डीसीसी के अध्यक्ष एवं दूरसंचार सचिव श्री अमित अग्रवाल, सदस्य (वित्त) श्री मनीष सिन्हा, सदस्य (प्रौद्योगिकी) श्री रुद्र नारायण पलई तथा सदस्य (सेवाएं) श्री देब कुमार चक्रवर्ती उपस्थित थे। यह कार्यशाला दूरसंचार विभाग (DoT) के तकनीकी अंग, दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र (TEC) द्वारा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सरकार, शिक्षाविदों, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण निकायों के प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया और छठी पीढ़ी की दूरसंचार प्रौद्योगिकियों के विकसित होते वैश्विक रोडमैप पर विचार-विमर्श किया।

यह कार्यशाला 6G अनुसंधान, स्पेक्ट्रम योजना, नेटवर्क आर्किटेक्चर, अक् आधारित नेटवर्क और उभरते अनुप्रयोगों में वैश्विक प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मानक विकास प्रक्रियाओं में भारत की भागीदारी को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा- 'प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2022 में भारत 6G एलायंस की स्थापना की गई, जिसने भारत के 6G Vision को प्रस्तुत किया। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—6G के विकास के साथ वैश्विक मानकों और पेटेंट में कम-से-कम 10 प्रतिशत योगदान देना।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि '6G की संभावनाएँ केवल तकनीकी प्रगति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अवसरों के लोकतंत्रीकरण में भी निहित हैं। यही वह क्षेत्र है जहाँ वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका प्रमुखता से उभरती है।' अपने संबोधन का समापन करते हुए उन्होंने कहा, 'आइए हम आज एक सुरक्षित, सुदृढ़ और वास्तव में वैश्विक 6G Ecosystem के निर्माण का संकल्प लें—जो केवल उपकरणों को ही नहीं, बल्कि लोगों, अवसरों और संभावनाओं को भी दुनिया भर में जोड़े।'

इससे पूर्व, प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए दूरसंचार विभाग के सलाहकार (प्रौद्योगिकी) श्री शुभेंदु तिवारी ने वैश्विक मानकीकरण प्रयासों में प्रारंभिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार मानकीकरण में भारत की बढ़ती भागीदारी देश की तकनीकी क्षमता और नवाचार क्षमता को प्रदर्शित करती है।

तकनीकी सत्र

कार्यशाला में कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 6G Ecosystem के प्रमुख आयामों—वैश्विक मानकीकरण प्रयास, नेटवर्क आर्किटेक्चर, स्पेक्ट्रम योजना, अक् सुरक्षा ढांचा और उभरते अनुप्रयोग—पर विस्तृत चर्चा की गई।

वैश्विक मानकीकरण रोडमैप पर सत्र में अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन रेडियो कम्युनिकेशन सेक्टर (ITU-R) और 3rd जेनरेशन पार्टनरशिप प्रोजेक्ट (3GPP) में चल रहे कार्यों का अवलोकन प्रस्तुत किया गया, जिसमें IMT-2030 के विकास की दिशा में प्रमुख मील के पत्थरों और प्रारंभिक चरणों में वैश्विक समन्वय के महत्व को रेखांकित किया गया।

6G नेटवर्क आर्किटेक्चर पर चर्चा में रेडियो एक्सेस और कोर नेटवर्क के क्लाउड-नेटिव, सेवा-आधारित और प्रोग्रामेबल ढाँचों की ओर विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो अगली पीढ़ी की डिजिटल सेवाओं को समर्थन देने में सक्षम होंगे।

6ॠ के लिए स्पेक्ट्रम रोडमैप सत्र में भविष्य की स्पेक्ट्रम आवश्यकताओं, वैश्विक सामंजस्य प्रयासों और ट्रैफिक प्रक्षेपणों का विश्लेषण किया गया, साथ ही बढ़ती कनेक्टिविटी मांगों को पूरा करने के लिए स्पेक्ट्रम के कुशल उपयोग के महत्व पर बल दिया गया।

भारत के 2030 रोडमैप पर एक विशेष सत्र में ढशी-6ॠ अनुसंधान पहलों और पायलट परियोजनाओं को भविष्य के व्यावसायिक कार्यान्वयन में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसके लिए सरकार,